साप्ताहिक हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 57 | जौनपुर, मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024 | साप्ताहिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## माहौल बिगाड़ने वाले बचेंगे नहीं - योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई साम्प्रदायिक हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और लगभग 40 लोग घायल हो गये हैं। घटना के बाद से इलाके में साम्प्रदायिक तनाव व्याप्त है और गुस्साये ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरे इलाके में पुलिस बल की भारी तैनाती की गयी है। बहराइच हिंसा में मारे गये रामगोपाल मिश्रा के शव को महसी तहसील परिसर में रखकर ग्रामीण विरोध कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि महाराजगंज बाजार में कुछ लोगों द्वारा मूर्ति विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी करने पर दो समुदायों के लोग आमने सामने आ गए थे। गुस्साई भीड़ ने बाजार में तोड़फोड़ की। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रतिमा विसर्जन का कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए और धार्मिक संगठनों से संवाद कर समय पर प्रतिमा विसर्जन कराया जाए। उन्होंने जनता को सुरक्षा की गारंटी देते हुए प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर मौजदूगी सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिनकी लापरवाही से इस प्रकार की घटना घटित हुई, उनकी पहचान की जाए और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। हम आपको बता दें कि रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। बहराइच की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने संवाददाताओं को बताया, महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में तनाव था। जब एक जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से गुजर रहा था तभी दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद, पुलिस ने करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। अशांति प्रभावित सभी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, और हिंसा प्रभावित इलाकों के सीसीटीवी फुटेज देख कर अराजक तत्वों की पहचान की जा रही है, और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ जारी रहेगी छापेमारी - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त करने के सफल अभियानों के लिए बधाई दी। एक्स पर शाह ने कहा कि ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। उन्होंने लिखा कि मैं दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त करने के सफल ऑपरेशनों की श्रृंखला के लिए बधाई देता हूं, जिसमें हाल ही में गुजरात पुलिस द्वारा 5,000 करोड़ रुपये की कोकीन बरामद करना भी शामिल है। अमित शाह ने आगे कहा कि नशीली दवाओं और नार्को व्यापार के खिलाफ धरपकड़ बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगी। मोदी सरकार हमारे युवाओं को नशीली दवाओं के संकट से बचाकर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाह की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि वे दिल्ली को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली और गुजरात पुलिस के संयुक्त अभियान में रविवार को गुजरात के अंकलेश्वर से लगभग 5000 करोड़ रुपये मूल्य की कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया।

## बहराइच में प्रशासन की निष्क्रियता दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण - प्रियंका वाड्रा

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा गांधी ने बहराइच हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए जनता से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं। गौरतलब हो, बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। आज भी जगह-जगह आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहा है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेते हुए, जनता को विश्वास में लें और हिंसा रोकें। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो। जनता से मेरी करबद्ध अपील है कि कृपया कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। वहीं बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां पर जिला प्रशासन व सरकार फेल होती है। सभी मामलों में देश व प्रदेश की सरकार फेल हो चुकी है। राज धर्म का मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आनंदित रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यह सरकार की नैतिक जिम्मेदारी होती है और उसमें यह सरकार विफल रही है। ये सरकार तो केवल जनता को डरा रही है कि बुलडोजर चला देंगे। कानून और नियम की परिधि में जो आए उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 अक्तूबर को संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन आयोजित कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इसी की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे हैं। उधर, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी मामले पर बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी।

## पीएम मोदी से मिलीं सीएम आतिशी

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दिल्ली का मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। बैठक का एजेंडा अभी साफ नहीं हुआ है। उत्पाद शुल्क घोटाला मामले में जेल से रिहा होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के बाद ही आतिशी ने मुख्यमंत्री का पद संभाला। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और वह राष्ट्रीय राजधानी में इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाली सभी तीन महिलाओं में सबसे कम उम्र की हैं। वह स्वतंत्र भारत में मुख्यमंत्री के पद पर आसीन होने वाली 17वीं महिला भी बन गयी हैं। वैसे वरिष्ठ आप नेता आतिशी का मुख्यमंत्री के रूप में संक्षिप्त कार्यकाल होगा क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव फरवरी में

होने वाले हैं। पहली बार की विधायक आतिशी पार्टी का एक बड़ी चेहरा हैं और उन्होंने आबकारी नीति मामले के सिलसिले में अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल में रहने के दौरान आप का कामकाज संभाला। केजरीवाल ने कालकाजी से विधायक आतिशी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। उससे पहले केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। भाजपा की सुषमा स्वराज और कांग्रेस की शीला दीक्षित के बाद आतिशी (43)दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। वह दिल्ली की सबसे कम उम्र की मुख्यमंत्री हैं। दीक्षित ने जब मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था तब वह 60 साल की थीं। सुषमा स्वराज दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के समय 46 साल की थीं। वैसे आतिशी फिलहाल देश में दूसरी महिला मुख्यमंत्री हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी मुख्यमंत्री हैं। भारत के इतिहास में सभी महिला मुख्यमंत्रियों की सूची इस प्रकार हैरू सुचेता कृपलानीरू स्वतंत्र भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री, कृपलानी ने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सरकार का नेतृत्व किया। नंदिनी सत्पथीरू किसी भारतीय राज्य की दूसरी महिला मुख्यमंत्री। इन कांग्रेस नेता ने 1972 से 1976 तक ओडिशा का शासन संभाला था। उनका कार्यकाल 1975 में आपातकाल की घोषणा समकालीन था।

### संक्षिप्त खबरें

#### वक्फ बिल का विरोध जारी

नई दिल्ली, एजेसी। सभी विपक्षी सांसदों ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति की बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने दावा किया कि पैनल नियमों और विनियमों के अनुसार काम नहीं कर रहा है। कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, द्रमुक के ए राजा, शिव सेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एआईएम आईएम के असदुद्दीन ओवैसी, समाजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह बैठक से बाहर चले गए और इसकी कार्यवाही के खिलाफ कड़ी भावनाएं व्यक्त कीं। सदस्यों ने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य अल्प संख्यक आयोग और कर्नाटक अल्प संख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पादी, जिनकी प्रस्तुति अभी भी चल रही है, वक्फ विधेयक के बारे में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर कर्नाटक सरकार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं, जो समिति के अनुरूप नहीं है और स्वीकार्य नहीं है। अरविंद सावंत ने कहा कि विधेयक की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति नियम-कायदों के अनुरूप काम नहीं कर रही है। उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने आरोप लगाया कि समिति के समक्ष गवाही देने वाले एक व्यक्ति को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ विपक्षी सदस्यों के खिलाफ व्यक्तिगत आरोप लगाने की अनुमति दी गई थी।

## सीएम सुखविंदर सुक्खू ने प्राकृतिक आपदा पर आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदा के लिहाज से संवेदनशील राज्यों में से एक रहा है। गत वर्ष भी यहां प्राकृतिक आपदा के कारण काफी जान-माल का नुकसान हुआ था। इन्हीं सब स्थितियों को देखते हुए सोमवार को शिमला के ऐतिहासिक मैदान में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बताया गया है कि कैसे लोगों को प्राकृतिक आपदा से बचाया जा सकता है। इस प्रदर्शनी के जरिए लोगों को प्राकृतिक आपदा को लेकर जागरूक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सोमवार को इसका अवलोकन करने पहुंचे। अवलोकन के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "पिछले साल हमने भयंकर आपदा का सामना किया था। ऐसी आपदा हमने अपने जीवनकाल में कभी नहीं देखी थी, लेकिन जब हमें जनता और सरकार का सहयोग

मिला, तो हम इसका चुनौतीपूर्ण ढंग से सामना कर सके थे, ताकि धरातल पर स्थिति को सामान्य बनाया जा सके। उन्होंने कहा, बीते दिनों कई जगहों पर बादल फटने की घटनाएं सामने आई थीं। यह क्लाइमेट चेंज के भी कारण हो सकता है। हमने इस संबंध में केंद्र सरकार को भी पत्र लिखा है। केंद्र सरकार से हमने इस संबंध में अध्ययन करने को कहा है, ताकि इसके पीछे की वजह को समझा जा सके, जिससे धरातल पर स्थिति सामान्य हो सके। प्रदेश सरकार भी इस दिशा में कदम बढ़ा रही है। हमने इस दिशा में 800 करोड़ रुपए की परियोजना भी बनाई है। उन्होंने आगे कहा, "हम एसडीआरएफ टीम को भी मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि भविष्य में जब आपदा आए, तो हमें किसी भी प्रकार की दुश्वारियों का सामना ना करना पड़े और हम इस स्थिति को आसानी से सामान्य बना सकें, क्योंकि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक आपदा के लिहाज से एक संवेदनशील राज्य है। यहां हमेशा किसी ना किसी प्रकार की प्राकृतिक आपदा की संभावना बनी रहती है।

## उत्तराखंड में जिहाद कतई बर्दाश्त नहीं - पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड, एजेसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में धर्म परिवर्तन, अतिक्रमण, भूमि जिहाद और थूक जिहाद की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने शिक्षित लोगों से भी ऐसी चीजों को रोकने के लिए आगे आने का आह्वान किया। उधम सिंह नगर जिले के किच्छा में एक अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है जहां सभी लोग मिलजुल कर रहते हैं। एक बार फिर उन्होंने इस बात को दोहराया है।

इसके साथ ही उन्होंने लोगों से शिक्षा पर जोर देने की अपील की। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का मूल स्वरूप बरकरार रहना चाहिए। हम भूमि जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उत्तराखंड में थूक जिहाद स्वीकार्य और सहनीय नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उत्तराखंड में धर्म परिवर्तन नहीं होने दिया जाएगा, अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा, लैंड जिहाद नहीं होने दिया जाएगा। उत्तराखंड में कुछ

लोग थूक जिहाद कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश में थूक जिहाद नहीं होने दिया जाएगा। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को रोकने के लिए शिक्षित लोगों को आगे आना चाहिए। जो भी गलत होगा, बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. इसे उत्तराखंड में किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल ही में, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली निवासी दो भाइयों - नौशाद अली और हसन अली को चाय के बर्तन में थूकने और उस चाय को ग्राहकों को परोसने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

## रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा यूनिवर्सिटी का नाम

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र कैबिनेट ने महाराष्ट्र कौशल विश्वविद्यालय का नाम बदलने का फैसला किया है। विश्व विद्यालय का नाम अब दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा। सरकार ने यह फैसला दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को सम्मान देने के लिए लिया है। महाराष्ट्र कौशल विकास विश्वविद्यालय को अब रतन टाटा विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा। 9 अक्टूबर को उद्योगपति का निधन हो गया और पूरे देश ने इस बड़ी क्षति पर शोक व्यक्त किया। रतन टाटा ने अपना पूरा जीवन देश को बेहतर बनाने और भारत को एक नई पहचान दिलाने में समर्पित कर दिया। उनके निधन के बाद उनकी याद में ये फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने औपचारिक रूप से प्रस्ताव दिया है कि उद्योगपति को भारत के भविष्य को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रतिष्ठित भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। जिसके बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रतन टाटा को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दिए जाने की बात कही थी। वहीं रतन टाटा को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने दिवंगत रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने के लिए केंद्र से अनुरोध करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया।

## प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना घटी - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुए हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल खड़े किए है। अखिलेश यादव ने बहराइच में हुए हिंसा को लेकर कहा कि सबसे पहले, मैं अपील करना चाहूंगा कि सभी संबंधित पक्षों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि प्रशासन, सरकार और मीडिया को पता है कि ऐसा क्यों हुआ। सरकार न्याय करे। अखिलेश यादव ने कहा कि जब जुलूस शुरू हुआ तो प्रशासन को उसके रूट, रूट पर पर्याप्त सुरक्षा, पर्याप्त पुलिस तैनाती का ध्यान रखना चाहिए था। अगर मैं बताऊं कि उन लाउडस्पीकरों पर क्या बज रहा था तो सरकार कुछ और ही कहेगी। लेकिन प्रशासन को कम से कम इस बात पर ध्यान देना चाहिए था कि लाउडस्पीकर पर क्या

बजाया जा रहा है, क्या वे किसी का अपमान कर रहे हैं? तो सारी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना घटी। बहराइच और अन्य जगहों पर जो कुछ हो रहा है उसके लिए सरकार, प्रशासन और उनकी वोट बैंक की राजनीति जिम्मेदार है। सपा प्रमुख ने कहा कि वे जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भाजपा की चाल को समझें, वे नफरत फैलाकर और समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। बहराइच जिले के एक गांव में रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बहराइच की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने रविवार रात संवाददाताओं को बताया, महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में तनाव था। जब एक जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से गुजर रहा था तभी दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद, पुलिस ने करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है।

## अब जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी में रहेंगे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

बिहार, एजेसी। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। मामले से अवगत अधिकारियों ने नए सुरक्षा विवरण के पीछे के कारणों के बारे में विवरण साझा नहीं किया, लेकिन पुष्टि की कि सीआरपीएफ कवर 10 अक्टूबर को पासवान को सौंपा गया था। एक अधिकारी ने कहा कि मंत्री को जेड श्रेणी कवर प्रदान करने का आदेश 10 अक्टूबर को आया था। उनकी सुरक्षा पहले एसएसबी द्वारा संभाली जाती थी। सुरक्षा श्रेणी ं नहीं थी, जो कि दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है। हम इस घटनाक्रम का कारण नहीं जानते। अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे की आशंका का आकलन करने के बाद सुरक्षा कवर सौंपा जाता है। छह माह में एक बार इसकी समीक्षा की जाती है। एक्स, वाई, वाई, जेड और जेड प्लस तक सुरक्षा के विभिन्न स्तर हैं। मंत्रियों के लिए सुरक्षा श्रेणी वाई से लेकर जेड प्लस तक कुछ भी हो सकती है। जेड प्लस सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है, जहां आवास पर कमांडो, एस्कॉर्ट वाहन और काफिले में एक एम्बुलेंस के साथ कम से कम चार दर्जन सशस्त्र जवान चौबीसों घंटे व्यक्ति की सुरक्षा करते हैं। सीआरपीएफ द्वारा प्रदान की गई जेड और जेड प्लस सुरक्षा वाले लोगों में पूर्व प्रधान मंत्री, गृह मंत्री अमित शाह और राहुल गांधी और सोनिया गांधी जैसे प्रमुख विपक्षी नेता शामिल हैं।

# संपादकीय

## समाज को प्रभावित करने वाली बीमारियां

कोविड–19 मानव इतिहास में पहली महामारी नहीं थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह निश्चित रूप से आखिरी महामारी भी नहीं होगी। प्रकृति पर बढ़ते मानवीय विनाश ने वैश्विक प्रकोपों के रूप में समाज को प्रभावित करने वाली जूनोटिक बीमारियों की संभावना को बढ़ा दिया है। यह महज अटकलें नहीं हैं। साक्ष्य इस चिंताजनक दिशा की ओर इशारा करते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने 2023 में कहा था कि पिछले तीन दशकों में लोगों को प्रभावित करने वाली नई उभरती संक्रामक बीमारियों में से 75: प्रकृति में जूनोटिक थीं। मंकीपॉक्स का हालिया प्रकोप ऐसे खतरों की शक्ति की याद दिलाता है। अगली महामारी को रोकना शायद असंभव होगा। इसलिए, तैयारी और प्रबंधन पर जोर दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में, भारत के राष्ट्रीय नियोजन निकाय, नीति आयोग के एक विशेषज्ञ पैनल ने हाल ही में एक रोडमैप जारी किया है, जिसमें प्रकोप के पहले 100 दिनों में स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए तत्परता उपायों और प्रतिक्रिया तंत्रों की रूपरेखा दी गई है। इस तरह की पहल के पीछे का विचार कोरोनावायरस के प्रबंधन में सफलताओं और असफलताओं दोनों से महत्वपूर्ण सबक की जांच करना था ताकि भविष्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य में संकटों के लिए एक कुशल प्रतिक्रिया में बाधा डालने वाली कमियों को दूर किया जा सके। एक विस्तृत रिपोर्ट में, समिति ने एक अलग कानून – सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन अधिनियम – के अधिनियमन की सिफारिश की है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की अनुमति देगा। च्भ्म्ड।, जो रोकथाम, नियंत्रण और आपदा प्रतिक्रिया को कवर करता है और एक मजबूत स्वास्थ्य कार्यबल के निर्माण का समर्थन करता है, महामारी रोग अधिनियम, 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा कानूनों में सुधार माना जाता है, जो कोविड के दौरान लागू थे, लेकिन संगरोध और टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण उपायों के लिए उनकी अयोग्य प्रतिक्रियाओं के लिए आलोचना की गई थी। मानव–पशु इंटरफेस की निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय जैव सुरक्षा नेटवर्क बनाना, उपचार के लिए टीकों का भंडार विकसित करना और अनुसंधान में प्रगति के साथ–साथ एक पूर्वानुमान नेटवर्क बनाना रिपोर्ट में दिए गए कुछ अन्य प्रमुख सुझाव हैं। रिपोर्ट भले ही चिंताजनक हो, लेकिन भविष्य के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा प्रदान करती है और सरकार को आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार देती है। लेकिन कोविड महामारी का सबसे महत्वपूर्ण सबक यह रहा है कि संकट का प्रबंधन करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय की आवश्यकता है। एक बार फिर, एक संक्रमण से लड़ने के लिए एक केंद्रीकृत तंत्र के बारे में PHEMA का दृष्टिकोण दर्शाता है कि कुछ सबक अभी भी अनसुने हैं।

## रेल दुर्घटनाएं और मौतों के आंकड़ें

सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में रेलवे द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में 200 रेल दुर्घटनाओं में 351 लोगों की मौत हुई और 970 घायल हुए। आंकड़े निम्नलिखित प्रश्न उठाते हैंरू क्या सुरक्षा मानकों में समझौते और गलत प्राथमिकताओं के कारण रेलवे पटरी से उतर गया है? अनुमान है कि 97: रेलवे नेटवर्क में टक्कर रोधी प्रणाली, कवच का अभाव है, बावजूद इसके कि भारतीय रेलवे ने 2020 में ही इसे आधिकारिक रूप से अपना लिया था। लगभग उसी अवधि में जब ये 200 दुर्घटनाएं हुईं, मौजूदा बुनियादी ढांचे के उन्नयन और ट्रेनों को सुरक्षित बनाने को प्राथमिकता देने के बजाय, रेलवे ने वंदे भारत ट्रेनों पर हजारों करोड़ रुपये खर्च कर दिए, जिसे अधिकांश भारतीय वहन भी नहीं कर सकते। इस व्यय में प्रधानमंत्री की प्रमुख बुलेट ट्रेन परियोजना में निवेश किए गए 1.08 लाख करोड़ रुपये शामिल नहीं हैं। परिणामस्वरूप जनशक्ति की कमी के कारण ट्रेन चालकों को लंबी शिफ्ट में काम करना पड़ता है, जिससे मानवीय भूल की संभावना बढ़ जाती है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की एक रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि हाल के दिनों में ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या में जो भी कमी आई है, वह काफी हद तक मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग पर कर्मियों की तैनाती का परिणाम है। लेकिन रेलवे के कवच में अन्य खामियां भी हैं। रेलवे की परिचालन सुरक्षा से संबंधित 50,000 से अधिक पद रिक्त हैं। सीएजी रिपोर्ट में परिसंपत्तियों की विफलताओं, विशेष रूप से सिग्नल विफलताओं और रेल फ्रैक्चर की निरंतर उच्च दर के बारे में भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। पिछले पांच वर्षों में कुछ सबसे खराब ट्रेन दुर्घटनाएं इन कारकों के कारण हुई हैं। फिर भी, ऐसा लगता है कि सरकार अपना सिर रेत में दबा रही है। केंद्रीय रेल मंत्री ने हाल ही में दुर्घटनाओं की वर्तमान संख्या की तुलना एक दशक से अधिक पहले की संख्या से की है, यह तर्क देने के लिए कि सुधार हुआ है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रेलवे के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के साथ–साथ कवच जैसी सुरक्षा तकनीक की स्थापना युद्ध स्तर पर की जाए। रेलवे के अन्य महंगे निवेशों के प्रति उत्साह को देखते हुए निषेधात्मक लागत का बहाना बहाना नहीं बनाया जा सकता।

# राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कर पाएंगे प्रशांत किशोर?

उमेश

बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे–बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान तमाम रैलियों का गवाह रहा है, लेकिन इस मैदान में आधी सदी के अंतर पर हुई दो रैलियों में कम से कम बिहार की अवाम एक समानता देख रही है। पांच जून 1974 को 72 साल के बुजुर्ग जेपी ने संपूर्ण क्रांति का नारा देकर इंदिरा की सर्वशक्तिमान सत्ता को उखाड़ने की पूर्व पीठिका रच दी थी। इस बार इंदिरा की सत्ता उखाड़ने जैसा कोई लक्ष्य तो नहीं है, लेकिन गांधी जयंती के अगले दिन तीन अक्टूबर को 47 साल के प्रशांत किशोर से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रशांत किशोर अपनी पार्टी के जरिए जनसुराज की बयार बिहार की धरती पर बहा पाएंगे या फिर बदलाव की राजनीति का दावा करने वाले दूसरे लोगों की तरह वे भी पारंपरिक राजनीति का ही हिस्सा बन जाएंगे? वैसे बिहार में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जिन्हें ठीक उसी तरह प्रशांत किशोर से उम्मीद नहीं है, जैसी नाउम्मीदी पारंपरिक दलों से है। बिहार की राजनीति के संदर्भ में प्रशांत किशोर की राजनीतिक पारी की पड़ताल करने से पहले एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या वे बिहार की राजनीति में तीसरा स्तंभ भी बन पाएंगे? बिहार में यूं तो छोटे–बड़े कई राजनीतिक दल हैं, लेकिन मोटे तौर पर राज्य की राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले गठबंधन में तमाम तरह की वैचारिकी वाले कई




दल शामिल हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी तो है ही, वामपंथी दल भी हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में नीतीश कुमार का जनता दल यू, जीतनराम मांझी की हम, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी शामिल है। इस दो खेमे की राजनीति के बीच में यह सवाल उठना वाजिब है कि क्या प्रशांत किशोर इन दोनों गठबंधनों के बीच अपनी तीसरी राह बना पाएंगे ? बिहार की राजनीति का जब भी संदर्भ आता है, गर्व भाव से उसे याद किया जाता है। प्रथम स्वाधीनता संग्राम में बिहार के बेटे ने कुंवर सिंह ने जहां देश को नई दिशा दिखाई, स्वाधीनता संग्राम में जयप्रकाश नारायण ने भी नौजवानों को उसी अंदाज में जगा दिया था। इन्हीं जयप्रकाश को दूसरी आजादी का नायक का भी सम्मान हासिल है। बिहार की राजनीति का जब भी बखान होता है, तब इन ऐतिहासिक चरित्रों के हवाले से यह दावा जरूर किया जाता है कि बिहार की राजनीति भविष्य की राजनीति को प्रभावित करती है। इसे उलटबांसी ही कहा जा सकता है कि जिस बिहार की धरती का गौरवबोध वैशाली के गणतंत्र से भर उठता है, जिसे बुद्ध और महावीर की धरती का गौरव हासिल है, उसी बिहार की धरती आज के दौर में जातिवादी राजनीति में ही अपना आज का गौरव ढूंढने में गर्व महसूस करती है। दिलचस्प यह है कि बिहार की राजनीति को लेकर गर्वबोध से भरा रहने वाला समाज भी अपनी धरातली सोच में जातिवादी बोध को अलग नहीं कर पाता। फिर भी बिहार में एक वर्ग ऐसा भी है, जो बिहार के मौजूदा पिछड़ेपन से चिंतित रहता है। जिसे इस यह बात सालती है कि उसके राज्य के हर गांव की जवान आबादी का बड़ा हिस्सा दुनियाभर में दिहाड़ी मजदूर बनने को मजबूर है। इसी वर्ग की उम्मीद बनकर प्रशांत किशोर उभरे हैं। प्रशांत किशोर से आस लगाए वर्ग को बिहार की दरिद्रता, बिहारी लोगों का राज्य के बाहर मिलने वाला अपमान सालता है। इसलिए वे चाहते हैं कि प्रशांत किशोर उभरें और राज्य की जाति–धर्म वाली राजनीति को बदलें। बिहार की बदहाली को दूर करें। किसी भी नया काम करने वाले को समाज पहले हंसी उड़ाता है, इसके बावजूद अगर वह रूका नहीं तो उसे कुछ उपलब्धियां हासिल होने लगती हैं। इससे समाज के स्थापित प्रभु वर्ग को परेशानी होने लगती है। तो वह उन उपलब्धियों की अनदेखी करने लगता है। फिर भी व्यक्ति रूकता नहीं तो उसकी उपलब्धियों को वही समाज नोटिस लेने लगता है और आखिर में उसे सर आंखों पर बैठा लेता है। प्रशांत किशोर इस प्रक्रिया के दो चरणों को पार कर चुके हैं। अब उनकी उपलब्धियों का बिहारी राजनीतिक दल नोटिस लेने लगे हैं। हालांकि उन्हें बार–बार पांडेय बताकर जातिवादी त्रिशूल से उन्हें बेधने की राजनीतिक कोशिश भी हो रही है। दिलचस्प यह है कि उनके ब्राह्मण होने का प्रचार बार–बार आरजेडी की तरफ से हो रहा है। जिसका पूरा राजनीतिक वजूद ही मुस्लिम और यादव समीकरण पर टिका है। प्रशांत किशोर ने दो साल तक लगातार बिहार की पदयात्रा की है। जनसुराज यात्रा के नाम से हुई इस यात्रा के जरिए उन्हें ज्यादातर उत्तरी बिहार को अपने कदमों तले नापा है। इसके जरिए उन्होंने अपना बड़ा समर्थक वर्ग तैयार किया है। जिसमें जाति और धर्म से इतर सोचने वाले युवाओं की अच्छी–खासी फौज है। तीन अक्टूबर को पटना के गांधी मैदान में इस वर्ग की उपस्थिति जहां प्रशांत किशोर से आस लगाने का आधार उपलब्ध कराती है तो बिहार के दूसरे पारंपरिक दलों के लिए चिंता का सबब भी बनती है। इसी चिंता से बिहार के पारंपरिक दल चिंतित हैं। राजनीतिक दल उस दल के उभार से ज्यादा चिंतित होते हैं, जिनसे उनके पारंपरिक आधार वोट बैंक के छीजने का खतरा ज्यादा होता है। लेकिन प्रशांत किशोर हर वर्ग के उन युवाओं के प्रेरणा केंद्र बनते दिख रहे हैं, जिनके लिए बिहार का बदलाव प्राथमिक लक्ष्य है। जिन्हें यह बदलाव जाति और धर्म की बजाय मेरिट पर होने की उम्मीद है। लेकिन क्या प्रशांत किशोर इस जाति–धर्म की राजनीति से सचमुच दूर हैं? बिहार की राजनीति पिछली सदी के नब्बे के दशक से कमंडल और मंडल खेमे के बीच झूलती रही है। जाति और धर्म की अनदेखी करने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर इससे आगे दलितवाद की ओर आगे बढ़ते दिख रहे हैं। दिलचस्प यह है कि उनकी टीम में केजरीवाल की टीम जैसे पूर्व नौकरशाह और समाजसेवी की भीड़ दिखती है। जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद रहे देवेंद्र यादव, जनता दल यू के पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व राजनयिक पवन वर्मा, पूर्व राजनयिक मनोज भारती प्रशांत किशोर के सहयोगी हैं। देवेंद्र यादव के सितारे इन दिनों गर्दिश में हैं तो पवन वर्मा को बाद के दिनों में नीतीश ने भाव नहीं दिया। जिस तरह केजरीवाल की राजनीति से उन लोगों ने ज्यादा उम्मीद लगाई और साथ दिया, जिन्हें पारंपरिक दल तवज्जो नहीं देते थे, कुछ वैसा ही हाल प्रशांत किशोर की नवेली पार्टी का भी दिख रहा है। ऐसे में शक की गुंजाइश बढ़ जाती है कि प्रशांत भी ताकत पाकर कहीं केजरीवाल की पार्टी के अवसरवादी और नाटकबाजी राजनीति की कॉपी ना बन जाएं। इतिहास भी इसकी गवाही देता है। बदलाव की राजनीति को लेकर असम गणपरिषद बनी, सत्ता तक पहुंची, लेकिन वह पारंपरिक राजनीति की ही धार में समा गई। केजरीवाल की पार्टी को सब देख ही रहे हैं। इसलिए प्रशांत किशोर को लेकर शक होना स्वाभाविक है। लोहिया और जयप्रकाश मानते थे कि सत्ता में दलों का बदलने की बजाय जरूरी है कि तंत्र में बदलाव लाना। फिलहाल प्रशांत किशोर तंत्र यानी व्यवस्था में ही बदलाव का दावा कर रहे हैं। इसी वजह से उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ी है। लेकिन वे ऐसा तभी कर पाएंगे, जब उन्हें बिहार की जनता 2025 के विधानसभा चुनावों में उन्हें मजबूत समर्थन देगी। प्रशांत किशोर तंत्र तभी बदल पाएंगे, जब उनके पास पारंपरिक राजनेता नहीं होंगे, बल्कि राजनीति का सुचिंतन वाला नया खून उनके पास होगा। फिलहाल निर्णायक भूमिकाओं में जो दिख रहे हैं, वे पूर्व नौकरशाह हैं। नौकरशाहों को लेकर यह मानने में हर्ज नहीं है कि वे आम नेताओं की तरह जनता की परवाह ज्यादा करेंगे। सवाल यह है कि प्रशांत किशोर इस नजरिए से सोच भी रहे हैं या नहीं?

# आरएसएस की स्थापना विजयादशमी के दिन

प्रह्लाद

भारतीय परंपरा में, "आश्विन शुक्ल दशमी" को, अक्षय स्फूर्ति, शक्तिपूजा एवं विजय प्राप्ति का दिवस माना जाता है। किसी भी शुभ, सात्विक एवं राष्ट्र गौरवकारी कार्य को प्रारंभ करने के लिए यह मुहूर्त सर्वोत्तम माना गया है। विजयादशमी का यह उत्सव आसुरी शक्तियों पर दैवी शक्तियों की विजय का प्रतीक है। विजयादशमी के दिन ही सतयुग में भगवती मां दुर्गा के रूप में दैवी शक्ति ने महिषासुर का मर्दन किया था। त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने वनवासियों का सहयोग लेकर, उन्हें संगठित कर तथा सेतु–निर्माण कर, दुष्ट रावण की आसुरी शक्तियों का विनाश किया था। तथा, इसी प्रकार द्वापरयुग में श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में दैवी शक्तियों ने आसुरी शक्तियों का विध्वंस किया था। कलयुग में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिंदुत्व का स्वाभिमान लेकर हिंदू पद–पादशाही की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा सीमोल्लंघन की परंपरा का प्रारंभ भी इसी पावन दिवस पर किया गया था। और, रामलीला तथा दुर्गापूजा इन दोनों उत्सवों को, इस विजयशाली दिवस की पावन स्मृति को, लोकमानस में बनाए रखने की दृष्टि से ही, मनाया जाता है।विजयादशमी के पावन दिवस पर शस्त्र–पूजन की परंपरा भी है। 12 वर्ष के वनवास तथा 1 वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात् पांडवों ने अपने शस्त्रों का पूजन इसी दिन किया था तथा उन्हें पुनः धारण किया था। विजयादशमी के दिन ही, परमपूज्य आद्य सरसंघचालक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर के मोहिते के बाड़े में संवत् 1983 तदनुसार 27 सितंबर 1925 ईसवी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, अर्थात् राष्ट्र जीवन में शक्ति का निर्माण करने के लिए संकल्पित संघ का कार्य भी इसी दिन के शुभ मुहूर्त से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2014 में विजयादशमी दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, अर्थात् संघ का यह सौवां विजयादशमी उत्सव है। मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासनकाल के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षो तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। साथ ही, जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला–मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि 'संघ शक्ति कलौ युगेश अर्थात् कलयुग में संगठन ही सर्वोपरि है। इस वाक्य के अनुरूप ही संघ में संगठन को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव–जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुनः प्रतिष्ठित किया जाए। इस प्रकार, संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। मार्च, 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा की बैठक में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है– वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में – परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त और मुखर होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ "हिंदू" शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि "सही अर्थों में एक हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए"। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं इस महान कार्य को आगे बढ़ाते हुए "स्व" के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। संघ की शाखाओं में अनोखी पद्धति का अनुपालन करते हुए युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया जाता है। शाखा की इस अनोखी पद्धति की सराहना आज पूरे विश्व में ही की जा रही है। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जाय। संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, "हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र, जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है। यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकारी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।" वस्तुतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज भी लक्ष्य हिंदुओं को जाति, क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजन के चलते उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक विरोधाभासों से उबारना है। इसकी आकांक्षा है कि भारत को विश्व गुरु का स्थान अपने कृतत्व, दर्शन और सांस्कृतिक प्रभाव से पुनः मिले। भारतीय समाज को संघ के इन प्रयासों से अपने आप को जोड़ना चाहिए तभी भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

हाल ही के समय में हिंदू समाज में दिखाई दे रही एकरसता के चलते भारत का रुतबा वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, यह परिणाम स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगा है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में अमेरिका, रूस, जापान, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स जैसे पश्चिमी देशों के नाम ही सुनाई देते रहे हैं। यूनाइटेड नेशन्स में वीटो पावर भी इन्हीं देशों के पास रही है।

# स्वस्थ भारत के लिए निःशुल्क फोर्टिफाइड चावल

ललित

एक समय था जब भारत की खाद्य सुरक्षा वैश्विक चिंता का विषय थी, आज भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान कर रहा हैष – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुपोषण से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया, इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक नागरिक, विशेष रूप से वंचित, स्वस्थ और मजबूत भारत के लिए पौष्टिक भोजन तक पहुँच के हकदार हैं। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, लोगों के समग्र पोषण कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में सभी सरकारी योजनाओं के तहत फोर्टिफाइड चावल वितरित करने को अपनी मंजूरी दी। यह कुपोषण मुक्त भारत के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) सहित सभी सरकारी कल्याण योजनाओं के तहत फोर्टिफाइड चावल की सार्वभौमिक आपूर्ति को जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसने भारत सरकार द्वारा 100: वित्त पोषित होने वाली केंद्रीय क्षेत्र की पहल के रूप में सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत चावल फोर्टिफिकेशन पहल के कार्यान्वयन को मंजूरी दी। पीएमजीकेएवाई योजना के पहले से स्वीकृत रू11,79,859 करोड़ के आवंटन के तहत पीएमजीकेएवाई (खाद्य सब्सिडी) के एक हिस्से के रूप में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की लागत को पूरा करने की मौजूदा व्यवस्था को मंजूरी दे दी गई है। इस पहल का उद्देश्य आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर फोर्टिफाइड चावल वितरित करके कमजोर आबादी को बेहतर पोषण प्रदान करना है। वितरण भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मेटा–विश्लेषण के अनुसार, चावल को फोर्टिफाइड करने से आयरन की कमी का जोखिम 35: तक कम हो सकता है। 2,565 करोड़ रुपये के अनुमानित वार्षिक व्यय के साथ, इस पहल में प्रति वर्ष 16.6 मिलियन विकलांगता–समायोजित जीवन वर्ष को रोकने की क्षमता है, जिसके परिणामस्वरूप सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में 49,800 करोड़ रुपये के बराबर स्वास्थ्य सेवा बचत होगी। 2020 में 15 राज्यों में चावल फोर्टिफिकेशन पायलट योजना के शुभारंभ के बाद से, कार्यक्रम में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 2019–20 और 31 मार्च, 2024 के बीच, लगभग 406 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल पीडीएस के माध्यम से वितरित किया गया, जिससे देश भर में लाखों लोगों के पोषण सेवन में वृद्धि हुई। फरवरी 2016 में, डवॅब्क (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय) ने कुपोषण और एनीमिया से निपटने के लिए चावल के फोर्टिफिकेशन पर जोर दिया, जिसमें बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण जैसे प्रमुख हितधारकों की भागीदारी थी। मंत्रालय द्वारा एक टास्क फोर्स ने मई 2016 में चरणबद्ध कार्यान्वयन के साथ FCI के माध्यम से सरकारी कार्यक्रमों में चावल के फोर्टिफिकेशन को अनिवार्य करने की सिफारिश की। मार्च 2024 तक, फोर्टिफाइड चावल के वितरण का 100% कवरेज हासिल कर लिया गया है, और सभी सरकारी योजनाओं के तहत कस्टम–मिल्ड चावल को फोर्टिफाइड चावल से बदल दिया गया है। सरकार की हर योजना में कस्टम–मिल्ड चावल की जगह फोर्टिफाइड चावल का इस्तेमाल किया गया है और मार्च, 2024 तक फोर्टिफाइड चावल के वितरण का 100: कवरेज हासिल कर लिया गया है। फोर्टिफिकेशन भोजन को आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों, जैसे विटामिन और खनिजों से समृद्ध करने की प्रक्रिया है, ताकि इसके



पोषण मूल्य में सुधार हो सके। कमजोर आबादी में एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए खाद्य फोर्टिफिकेशन का इस्तेमाल दुनिया भर में एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय के रूप में किया गया है।

2008 कोपेनहेगन सर्वसम्मति के अनुसार, खाद्य फोर्टिफिकेशन विकासशील देशों की शीर्ष तीन प्राथमिकताओं में से एक है और कुपोषण से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।भारत में, फोर्टिफिकेशन पहले भी सफल साबित हुआ है। उदाहरण के लिए, आयोडीन युक्त नमक ने आयोडीन की कमी और घेंघा जैसी बीमारियों को काफी हद तक कम किया है। 2019 और 2021 के बीच किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में एनीमिया एक प्रचलित समस्या बनी हुई है। आयरन की कमी के अलावा, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड जैसी अन्य विटामिन– खनिज की कमी भी साथ–साथ बनी रहती है और आबादी के स्वास्थ्य और उत्पादकता को प्रभावित करती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने फोर्टिफाइड चावल के वितरण सहित महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। चावल क्यों? क्योंकि भारत में, चावल 65% आबादी का मुख्य भोजन है।

# देश के विकास में महिलाओ की अहम भूमिका - राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महिला सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण

से सम्बंधित मिशन शक्ति अन्तर्गत महिला किसान दिवस आयोजित किया गया।

महिलाओं को सम्बोधित करती हुई मुख्य अतिथि मा0 राज्य सभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि पहले महिलाएं कमजोर हुआ करती थी किन्तु सरकार मिशन शक्ति अन्तर्गत उन्हें अब विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर स्वावलंबी बना रही है, महिलाएं विकासशील देश की अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन्हें इनके अधिकारों और अवसरों से बंचित करने का अर्थ बच्चों और समाज के लिए वेहतर भविष्य से इनकार करने जैसा है। सरकार महिला कृषकों के सशक्तिकरण के लिए 15 अक्टूबर को महिला किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। यह एक अत्यंत प्रासंगिक एव सामयिक निर्णय है। महिलाओं की भागीदारी आज हर क्षेत्र में हो रही है। खेती, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन इत्यादि में 60 प्रतिशत से भी अधिक है, परन्तु भूमि का स्वामित्व उनके नाम पर अपेक्षाकृत बहुत ही कम प्रतिशत में है, इसी लिए महिलाओं का समूह बनाकर कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) द्वारा स्वावलंबी बनाया जा रहा है।

अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि महिलाएं समूह बनाकर प्रशिक्षण लेकर स्वावलंबी हो रही है, मोटा अनाज पैदा कर रही है, मशरूम उत्पादन कर रही है, जिससे स्वास्थ्य भी सही रहेगा और आय भी बढ़ेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि महिलाओं को फार्म मशीनरी बैंकध्कस्टम हायरिंग योजना जिसमें ट्रेक्टर, लेजर लैण्ड लेवलर, फसल अवशेष प्रबंधन के यन्त्र एवं अन्य उपयोगी कृषि यंत्रों के क्रय पर 40 – 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, इसमे महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जाती हैं।

कृषि वैज्ञानिक डा0 सन्दीप कुमार ने बताया कि महिलाओं की कृषि क्षेत्र में भागीदारी को पहचान एवं बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र में एक महिला वैज्ञानिक तैनात करने का निर्णय लिया है। डा. सुरेंद्र प्रताप सोनकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयो द्वारा चलाए जा रहे चार वर्षीय गृह विज्ञान के पाठ्यक्रम को कृषि स्नातक की समकक्षता प्रदान कर दी गयी है, जिससे अधिक से अधिक महिलाए कृषि एवं संबंधित क्षेत्र में सरकारी नौकरीयो में स्थान प्राप्त कर सके।

महिलाओं को जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा ने औद्यानिक मिशन, कृषि सिंचाई, सूक्ष्म एवं लघु मध्यम उद्योग की जानकारी दिया। मुख्य अतिथि द्वारा जनपद की 51 प्रगतिशील महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। अन्त में उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने आभार ज्ञापित किया।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. ओपी श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी डा. स्वाति पाहुजा, सहित संध्या सिंह, दुर्गा मौर्या, साधना खरवार, ममता सिंह, शन्नो सिंह आदि सैकड़ों महिला कृषक मौजूद रही।

# गोल्डी अस्पताल एवं बाल चिकित्सालय का हुआ शुभारंभ

सुजानगंज/जौनपुर। क्षेत्र के बेलवार रोड सुजानगंज पर गोल्डी अस्पताल एवं बाल चिकित्सालय का शुभारंभ हुआ. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नन्हकू यादव जिला पंचायत सदस्य रहे. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बाल चिकित्सक की अति आवश्यकता है और इस संस्थान द्वारा एक अच्छी सुविधा के साथ बाल चिकित्सालय का आज शुभारंभ हुआ है इससे निश्चित ही क्षेत्रीय लोगों को लाभ मिलेगा. वहीं पर संस्था के डायरेक्टर अमर बहादुर पाल ने बताया कि हर प्रकार से मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था प्रदान की जाएगी. इस अवसर पर डॉ सुरेश चंद्र यादव, डॉ जय सिंह, डॉ भूपेंद्र यादव, सोनू शर्मा, अनुज पाल आदि रहे।

# जिलाधिकारी ने विकास भवन का किया आकस्मिक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह द्वारा मंगलवार को विकास भवन में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। डीएम को बार–बार शिकायत मिल रही थी की कुछ लोगों का पेंशन कई दिनों से रुका हुआ है जो मिल नहीं रहा है। जिसको लेकर जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए सीडीओ के साथ विकास भवन पहुँचकर निरीक्षण किया। पीड़ित की बात को संबंधित अधिकारी से जांच पड़ताल की कोशिश की गई तो वह मौके पर नहीं थे संबंधित बाबू ने बताया कि काम चल रहा है जल्दी ही पेंशन के मामलों का निस्तारण किया जाएगा इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक बकाया लोगों का पेंशन खाते में नहीं पहुंच जाता तब तक इनकी सैलरी रोक दी गई हैं। जिला धिकारी ने तीन दिन का समय देते हुए तत्काल प्रभाव से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में जानकारी

देते हुए जिला अधिकारी डा दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा जनसुनवाई के दौरान पेंशन में आ रही दिक्कतों के बारे में बताया गया था जिसको लेकर आज हम और सीडीओ ने समाज कल्याण अधिकारी को बुलाया था लोगों का पेंशन का मामला रुका हुआ है लेकिन वह बाहर गए हुए हैं बाबू से पूछने पर मालूम पड़ा की 9 072 फाइनल अभी पेंडिंग में पड़ी हुई है इसको देखा जा रहा है साथ ही यह काम अगर इस मिशन मोड पर काम किया जाए तो सभी फाइलों को चार दिन में निपटाया जा सकता है। जबकि उनके बाबू द्वारा बताया गया कि इन्हें लगभग 1 महीने का समय चाहिए जब तक फाइलों का निस्तारण नहीं हो जाता है तब तक 4 दिन का वेतन इन दोनों का रुक रहेगा। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लाभार्थियों को किस तरह लाभ पहुंचाया जाए इसको देखा जा रहा है। आगे कोई पेंडेंसी ना हो इसको वीडियो साथ दिखेंगे कुछ तहसीलदार और एसडीएम स्तर से पेंडिंग है उसे भी देखा जा रहा है।

# अरशद वारसी और मेहर विज की बंदा सिंह चौधरी वफादारी, हार और भारत की आत्मा की लड़ाई की एक दमदार गाथा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 1971 के भारत–पाक युद्ध के बाद, एक नई लड़ाई उभरी – जिसने भारत के मूल ढांचे को खतरे में डाल दिया। इन सबमें पंजाब बढ़ते सांप्रदायिक तनाव का केंद्र बन गया, जहाँ हिंदू और सिख समुदाय हिंसा से अलग हो गए, और छाया में छिपे पाकिस्तान की ैप ने कलह की आग को हवा दी। बंदा सिंह चौधरी राजनीतिक उथल–पुथल की एक और कहानी नहीं है – यह वफादारी और राष्ट्र की आत्मा की रक्षा के लिए लड़ाई की एक दिल दहला देने वाली गाथा है। अराजकता के बीच एकता की तलाश करने वाले टूटे हुए समुदायों की कहानी को दमदार तरीके से दर्शाती है यह फिल्म। शानदार अभिनय और एक मनोरंजक कहानी के साथ, बंदा सिंह चौधरी दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होने वाला है। जब यह फिल्म 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी, तो एक ऐसी कहानी के लिए खुद को तैयार रखें जो इतिहास से परे है,

एकता और राष्ट्र के लिए दिल से लड़ने का क्या मतलब होता है, यह आपको फिल्म के है सीन में दिखेगा। अरबाज खान प्रोडक्शन, सीमलेस प्रोडक्शंस एलएलपी और अक्स मूवीज एंड एंटरटेनमेंट के सहयोग के बैनर तले बनी फिल्म बंदा सिंह चौधरी जिसका निर्माण अरबाज खान और मनीष मिश्रा ने किया है।

# 22 सूत्रीय मांगों पर प्रकाश डाला गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। जलकल कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति लखनऊ उ०प्र० के आवाहन पर कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर श्री कृष्ण प्रकाश मिश्रा जी की अध्यक्षता में अधि० अभि० कार्यालय जोन–5 आलमबाग चंदर नगर पानी की टंकी पर कर्मचारी सभा को सम्बोधित करते हुये संघर्ष समिति के उप संयोजक श्री शिव गोविन्द जी ने दिनांक 22/10/2024 को होने वाले आन्दोलन में समस्त उपस्थित कर्मचारियों से आवाहन किया कि अपनी मांगो को पूरा करने के लिए ऐशबाग मु० में एकत्रित होकर कार्यक्रम को वृहद रूप से सफल बनायें। और कर्मचारियों की मांगो जैसे– आंउटर्सोसिंग कर्मचारियों के लागू पारिश्रमिक वेतन की बढ़ोत्तरी का भुगतान किया जाय तथा समय से दिनांक 07 तक वेतन दिया जाना, शेष दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को विनियमित किया जाना, शिफ्ट में कार्यरत कर्मियों को त्यौहारिक अवकाश दिया जाना, विभाग में कार्यरत कर्मिया/सेवानिवृत्त कर्मियों को जलकर/सीवर कर में छूट प्रदान किया जाना, सेवानिवृत्त कर्मियों को समय से उनके देयकों का भुगतान

किया जाना पंडित दीन दयाल उपाध्याय चिकित्सा कैशलैस की सुविधा राज्य कर्मियों की भांति निकाय कर्मियों पर भी लागू हो तथा मृतक आश्रित कर्मियों को योग्यता अनुसार सेवा में लिया जाये आदि समस्याओ पर विचार रखते हुये 22 सूत्रीय मांगों पर प्रकाश डाला गया और दिनांक 22.10.2024 को जलकल मुख्यालय, ऐशबाग महाप्रबन्धक कार्यालय पर होने वाले धरना प्रदर्शन/आंदोलन/अमरण अनशन के लिये पूरे जोश के साथ तैयार रहने का आवाहन श्री डी.बी. सिंह चौहान, श्री रुपेन्द्र पाण्डेय, श्री राजेन्द्र यादव, श्री हरेश कुमार, श्री शैलेश कुमार धानुक, श्री हरीश कुमार, श्री सूरजभान सिंह, श्री विनोद कुमार वर्मा, श्री रमेश तिवारी, श्री अभिनन्दन सिंह, श्री रमाकान्त सिंह, श्री नन्द किशोर नौटियाल, श्री राम चन्द्र भारती जी, श्री पवन कुमार वर्मा, श्री अनिल कुमार, श्रीमती ज्ञानमती जी, आदि कर्मचारी नेताओं ने कर्मचारी सभा को सम्बोधित किया और अग्रिम 22/10/2024 को होने वाले आन्दोलन को सफल बनाने हेतु वृहत रूप से तैयार रहने का पुनः आवाहन किया गया।

# पांच सूत्रीय मांगों को लेकर डाक कर्मचारियों ने किया धरना प्रदर्शन

जौनपुर । अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ (एन.एफ.पी.इ) के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जौनपुर डाक मंडल के कर्मचारियों ने मंगलवार को लंच बाद धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों की पांच मुख्य मांगे है जिसमें न्यायालय के आदेश का अनुपालन कर एन.एफ.पी.इ ग्रुप. सी. की मान्यता तत्काल बहल करे, 18 माह का डी.ए. डी. आर का एरिअर भुगतान करे,आठवें वेतन आयोग का गठन करे,पुरानी पेंशन जल्द बहाल करे मृतक आश्रित कोटे को शत प्रतिशत करे।

इस मामले में बात करते हुए अध्यक्ष हरिशंकर यादव ने बताया कि आज केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर हम लोग यहां धरना प्रदर्शन कर रहे हैं हम लोगों की पांच प्रमुख मांगे हैं जिससे सरकार पूरा करें पूरे अन्यथा हम पूरे समय धरने पर बैठेंगे।इस अवसर पर अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ ग्रुप सी जौनपुर मंडल के अध्यक्ष हीरालाल यादव, सचिव श्री मोहम्मद शकील खान, पी 4 संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री हरीशंकर यादव, संघ के वरिष्ठ नेता राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, पोस्टमास्टर सत्य प्रकाश मिश्रा, प्रभात कुमार, बृजेश यादव, राहुल चौहान, सुनील कुमार सिंह, धर्मजीत, मनोज दुबे, भिवदास यादव, श्रीमती नुजहत फातिमा, श्रीमती प्रतिभा कुमारी, श्रीमती बीना मौर्या, सोनाली कुमारी, विशाल यादव, सत्यप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

# एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसिलिंग की तिथि जारी – कुलसचिव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने सत्र 2024–26 के एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसिलिंग की तिथि जारी कर दी है। काउंसिलिंग 17 व 18 अक्टूबर को विश्वेश्वरैया हाल यूएनएस इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संस्थान में होगी। मंगलवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलसचिव महेंद्र कुमार ने बताया कि 17 अक्टूबर को रैंक एक से दो सौ तक और 18 अक्टूबर को रैंक 201 से 433 तक के अभ्यर्थियों की संपन्न अभ्यर्थी काउंसिलिंग होगी। अपना काउंसिलिंग पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड सकते कर हैं। काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी तरह से आफलाइन आयोजित होगी और अभ्यर्थियोंको बीएड या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।काउंसिलिंग से पहले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के लेखा विभाग में पांच सौ का नगद शुल्क जमा कर रसीद प्राप्त लेनी होगी। रसीद काउंसिलिंग के समय पेश करनी होगी।

अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक प्रमाण पत्रों, आरक्षण से संबंधित दस्तावेज, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो और अन्य आवश्यक कागजात की मूल और स्व–प्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि व समय पर

उपस्थित न होने या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने की स्थिति में काउंसिलिंग से वंचित किया जा सकता है और उस रैंक के अगले अभ्यर्थी को अवसर दिया जाएगा।

# भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश की तस्वीर बदली है जन अपेक्षाओं को पूरा करने का काम हुआ है – राम प्रकाश दुबे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा के सीहीपुर स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष एव सदस्यता जाँच आधिकारी जौनपुर एव विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी अशोक चौरसिया रहे। उन्होंने आज तक हुई सदस्यता की वृत ली और आगे की सदस्यता अभियान पर विस्तार से चर्चा की। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी

एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से हर व्यक्ति व हर वर्ग को भाजपा से जोड़ने का काम करेंगे हम केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं व नीतियों को लेकर जनता के बीच पहुंचेंगे साथ ही विपक्ष के फैलाए झूठ, भ्रम और देश व समाज को तोड़ने की राजनीति को बेनकाब करने का काम करेंगे। भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश की तस्वीर बदली है। जन अपेक्षाओं को पूरा करने का काम हुआ है। उन्होंने जौनपुर मे अब तक हुये 2 लाख सदस्यता पर जिला इकाई को बधाई दी और आगे भी इसी तरह कार्य करने के लिए प्रेरित किये। उन्होंने आगे हरियाणा मे बने सरका और जम्मू कश्मीर मे भाजपा की अच्छी पदर्शन पर बधाई देते हुये कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली सरकार की प्राथमिकता है उत्तर प्रदेश में बेहतर–कानून का राज कायम करने की हमारी सरकार ऐसे तत्वों पर जो गैरकानूनी काम करते हैं, अराजकता करते हैं, जिनकी समाज विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है, कठोर कार्रवाई कर रही है। पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अशोक चौरसिया ने कहा कि सदस्यता के इस कार्यक्रम के साथ जुड़कर सबसे अधिक साधारण और सक्रिय सदस्य बनाने के टारगेट को पूरा करने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों के मन में श्रद्धा और सम्मान का भाव है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, भारत की माटी से प्यार करने वाला हर व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुड़ना चाहता है। हमको पीड़ा होती है जब जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर भारत के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने और भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने के लिए फैलाई जाती हैं। हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए कि श्याम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्रामष्। उपचुनाव को लेकर कहा कि हम लोग पूरी तैयारी के साथ जनता के बीच में जाएंगे। योगी के नेतृत्व में दस की दस सीटें जीतेंगे। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारत के अंदर केवल भारतीय जनता पार्टी ही है जो कैडर आधारित पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी भारत की माटी से जुड़कर, भारत के महापुरुषों से लेकर भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ कार्य करने वाली पार्टी है। इसलिए यह पार्टी न केवल वर्तमान में पूरे देश में अपना सर्वव्यापी स्वरूप बनाने में सफल हुई है, बल्कि सर्वस्पर्शी भी बनी है और समाज के हर एक तबके को अपने साथ जोड़ने में पार्टी ने अपनी इस यात्रा में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने पद को इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि तत्कालीन सरकार स्वयं ही देश की संप्रभुता के लिए खतरा बन रही थी। कश्मीर के मुद्दे को लेकर डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान इसका उदाहरण है। कार्यक्रम का संचालन सुनील तिवारी ने की। उक्त अवसर पर बृजेश सिंह प्रिंसू पीयूष गुप्ता सुशील मिश्र अमित श्रीवास्तव सुधाकर उपाध्याय संतोष सिंह संदीप सरोज धनंजय सिंह विनीत शुक्ला अनिल गुप्ता रागिनी सिंह गीता बिंद अंजना श्रीवास्तव एव समस्त मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

# अनवरत– उत्कृष्ट शिक्षा के गौरवपूर्ण 25 वर्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेन्ट, लखनऊ द्वारा आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन रॉयल कैफे, लखनऊ में किया गया जिसमें संस्थान के अधिशाषी निदेशक व संस्थापक ई० पंकज अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह शिक्षण संस्थान अपनी स्थापना के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण कर लिये है अतः संस्थान अपनी 25वीं वर्षगाँठ अनवरत का भव्य आयोजन कर रहा है जो दिनांक 16 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ होकर 19 अक्टूबर 2024 तक सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि इसमें कालेज में अध्ययनरत छात्रध्छात्राएँ भाग लेंगे तथा साथ ही साथ कालेज के बहुत सारे पूर्व छात्रध्छात्राएँ जो देश के विभिन्न शहरों एवं विदेशों में उच्च पदों पर आसीन है वे भी सम्मिलत होंगे। संस्थापक महोदय ने आगे बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिनांक 19 अक्टूबर को बॉलीवुड मशहूर गायिका सुश्री शिल्पा राव की शानदार प्रस्तुति होगी।

संस्थान के निदेशक प्रो० (डा०) भावेश कुमार चौहान ने अपने संबोधन में बताया कि इस परम पावन अवसर को यादगार एवं चिर स्थायी बनाने के लिए विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों– शास्त्रीय नृत्य शिव तांडव, महिषासुर मर्दिनी प्रस्तुति, कालेज डंप (कमेडी शो), फेशर्स व डांडिया नाइट, महाभारत नाट्य मंचन, नृत्य प्रतियोगिता और फैकल्टी परफार्मेंस, टैलेंट हंट, स्टैंडअप कॉमेडी और बैन्ड परफार्मेन्स, पूर्व छात्रों का सम्मान आदि का भव्य आयोजन किया गया है।

उत्सव के प्रसंग और विषय वस्तु को ध्यान में रखकर सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गयी है। संस्थान के प्रधानाचार्य एवं मीडिया संयोजक डा० बॉबी डब्लू लॉयल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस समारोह में संस्थान के उत्कृष्ट शिक्षा के अनवरत गौरवशाली इतिहास को दर्शाने का पूरा प्रयास किया गया है जो भावी छात्र–छात्राओं के लिए रोचक एवं प्रेरणाप्रद होगा।

# विवेक यादव हत्याकांड का एक आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना अंतर्गत फास्ट फूड के बकाया 180 रुपये को लेकर विवेक यादव का अपहरण व हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को कठार गहली गांव निवासी राजू उर्फ राजबहादुर यादव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि नामजद एक अन्य आरोपित फरार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है।आरोपित से पूछताछ में यह भी पता चला है कई लोगों ने मिलकर घटना को अंजाम दिया। मंगरमु गांव निवासी विवेक यादव का गत पांच अक्टूबर को अपहरण कर लिया गया था। छह को मामले को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ व सात को विवेक का शव सुरियावां के बीमरपुर स्थित एक तालाब के पास से मिला। घटना के बाद से ही घरवालों संग ग्रामीण हत्यारोपितों की पकड़ने की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किया था, जिसमें लेखपाल सहित कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

सुराग तलाश रही पुलिस हत्या में शामिल कुशा पुल से कठार गहली गांव निवासी राजू यादव को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में मंगलवार को जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष राजेश यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दवाकर हत्या करने की पुष्टि हुई है। सोमवार को नामजद अमित को गिरफ्तार कर लिया गया है आज चालान कर न्यायालय भेज दिया गया है।

# सुरक्षा के दृष्टिगत स्वर्ण व्यवसाईयों की बैठक संपन्न

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज/जौनपुर। क्षेत्र के थाना प्रभारी घनानंद त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना परिसर सुजानगंज पर सोमवार की देर शाम स्वर्ण व्यवसायियों की बैठक संपन्न हुई जिसमें क्षेत्राधिकारी बदलापुर आयुष श्रीवास्तव ने स्वर्ण व्यवसाईयों को दिशा निर्देशित करते हुए कहा कि सभी व्यवसायी नियमों का पालन करते हुए सीसीटीवी कैमरा लगाए तथा छोटी से छोटी घटना की जानकारी पुलिस को दे जो गुप्त रखी जाएगी दुकान के आसपास घूम रहे संधित व्यक्तियों की जानकारी पुलिस को जरूर दें जिससे आगामी त्योहारों को देखते हुए किसी अप्रिय घटना पर समय रहते रोक लगाया जा सके। जहां पर पुलिस कर्मियों के साथ क्षेत्र के तमाम स्वर्ण व्यवसायी उपस्थित रहे।

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम त्रुटिवश हाई स्कूल एवं इंटर में जीनत फातिमा पुत्री सैयद उवैदुल रहमान हो गया है। जबकि सही नाम जीनत फातिमा पुत्री उवैदुर्रहमान हैं।

शपथिनी जीनत फातिमा पुत्री सैयद उवैदुर्रहमान ग्राम – अलियाबाद पो० पारा , परगना इसौली, तहसील बल्दीराय, जिला सुलतानपुर।

# तीन दिन बाद बच्चे का शव बरामद, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी नितिन सिंह (15) की लाश तीसरे दिन गोमती नदी के केशवपुर के मलुही घाट पर मिली।शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया।नितिन के दरवाजे पर सैकड़ो की संख्या लोग जमा हो गए। शिवपुर गांव निवासी धुरेन्द्र सिंह की माता का निधन तीन अक्टूबर को हुआ था।परिवार के लोग जगदीशपुर पम्प कैनल के पास घाट नहाने जाते थे।रविवार को दादी का घाट नहाते समय नितिन सिंह पुत्र धुरेन्द्र सिंह गोमती नदी डूब गया था।उसके साथ चार अन्य लड़के भी डूब रहे थे।तीन को लोगों ने बचा लिया था।स्थानीय पुलिस तथा गोताखोर भी नितिन को ढूंढ रहे थे। उसका कुछ पता नही चल पाया। आखिर में थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने अधिकारियों से बात करवाकर सोमवार को वाराणसी से एनडीआरएफ की टीम को बुलवाया।एनडीआरएफ टीम नदी में तीन किमी तक लगातार प्रयास किया। उसे भी सफलता नही मिली। रात को टीम वापस चली गयी। मंगलवार की सुबह केशवपुर के मलुही घाट पर मछुआरों द्वारा लगाए गए जाल में नितिन के लाश को फंसा देखा।उन लोगों ने तत्काल मृतक के परिजनों को जानकारी दिया। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग तथा थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।शव को घर लाया गया।वहां नितिन के माँ सहित अन्य ने उसका आखिरी दर्शन किया माहौल काफी गमगीन हो गया। माँ बेसुध होकर गिर गयी।पिता व भाई व बहनों का रो रोकर बेहाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# दुष्कर्म के बाद हत्या, फंदे से लटकता मिला शव, खुदकुशी दिखाने की साजिश

गोरखपुर, संवाददाता। गीडा इलाके के देईपार चौराहे के पास एक मकान में किराए पर कमरा लेकर रहने वाले दंपत्ति की 11 वर्षीय बेटी का शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता मिला। दंपति सुबह ही काम पर निकल गए थे। बालिका व तीन वर्षीय भाई कमरे पर थे। मां दोपहर में कमरे पर पहुंची तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। जानकारी के अनुसार, जिले के बालापार के रहने वाले हैदर और उनकी पत्नी रुखसाना पिछले 10 वर्षों से पिपरौली बाजार कस्बा के देईपार चौराहे के निकट सूरज वर्मा के मकान में किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। उनकी 11 वर्षीय बेटी तमन्ना और तीन वर्षीय बेटा तैमूर भी रहते हैं। पिता गीडा इलाके के एक फैक्ट्री में काम करते हैं। मां भी एक फैक्ट्री में काम करती हैं। हर रोज की भांति वह सुबह काम पर चले गए। कमरे पर 11 वर्षीय बेटी और तीन वर्षीय बेटा अकेले थे। सुबह 11 बजे मां कमरे पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। वह किसी प्रकार दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची तो कमरे के अंदर का नजारा देख सन्न रह गई। बेटी छत के छज्जे से दुपट्टा के सहारे लटक रही थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे। सूचना पर पहुंची पिपरौली चौकी की पुलिस शव को फंदे से निचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह पास के परिषदीय विद्यालय के कक्षाा पांचवीं की छात्रा थी।

# काशी विश्वनाथ मंदिर में स्पर्श दर्शन शुरू हुआ

वाराणसी, संवाददाता। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पांच दिनों के बाद स्पर्श दर्शन शुरू हो गया। सख्त नियमों के साथ ही दर्शन की व्यवस्था को शुरू किया गया है। स्पर्श दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को एक–एक करके गर्भगृह में प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मियों की हर दो घंटे पर ड्यूटी बदलेगी। मंदिर प्रशासन ने दर्शन पूजन की व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए हैं। गर्भगृह में दर्शन पूजन के दौरान अब नियमित रूप से डेढ़ फीट का अरघा लगाकर ही आम श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही झांकी दर्शन के दौरान लगने वाली जलधरी की डिजाइन में भी बदलाव किया जा रहा है। अब मंदिर में स्थायी जलधारी लगाई जाएगी ताकि उसे बार–बार निकालने और लगाने की जरूरत नहीं होगी। सात अक्तूबर को मंदिर में स्पर्श दर्शन के दौरान दो श्रद्धालुओं के अरघे में गिरने की घटना के बाद मंदिर प्रशासन ने यह बदलाव किया है।मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि गर्भगृह में ड्यूटी करने वाले सुरक्षाकर्मियों का ड्यूटी रोस्टर दो–दो घंटे करने को कहा गया है। श्रद्धालुओं को एक–एक करके ही प्रवेश कराने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही गर्भगृह में नियमित रूप से अरघा लगाकर ही स्पर्श दर्शन कराया जाएगा। डेढ़ फीट का अरघा लगने से बाबा विश्वनाथ के विग्रह की भी सुरक्षा होगी और भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति भी नहीं होगी।

# बीआरडी फिर चर्चा में...जूनियर डॉक्टरों ने तीमारदार को बंधक बनाकर पीटा

गोरखपुर, संवाददाता। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एक बार फिर चर्चा में है। अब तीमारदार की पिटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि शनिवार सुबह महराजगंज जिले से अपनी दादी का इलाज कराने आए युवक को 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने कमरे में बंदकर बुरी तरह पीटा। यह भी आरोप है कि समझौता पेपर पर जबरन हस्ताक्षर भी कराया गया। जानकारी होने पर एक सीनियर डॉक्टर ने युवक को आरोपियों की पहचान के लिए बुलाया, मगर जूनियर डॉक्टर फोन बंद कर गायब मिले। पीड़ित ने गुलरिहा पुलिस को तहरीर देने के बाद किसी रिश्तेदार की मदद से स्वास्थ्य मंत्री को फोन कर दिया। इसके बाद मेडिकल कॉलेज का माहौल गर्म हो गया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन मामले की जांच में जुटा है।

जानकारी के मुताबिक, महराजगंज जिले के चौक थाना क्षेत्र के भगवानपुर उर्फ भूलना निवासी ऐश्वर्य पति त्रिपाठी की दादी की

अचानक तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार शाम बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। रात दस बजे वार्ड नंबर 5 बेड नंबर 56 पर शिफ्ट कर दिया गया। ऐश्वर्य का आरोप है कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे डॉ. शहनवाज, दादी को देखने आए और जांच रिपोर्ट मांगने लगे। उन्होंने रिपोर्ट नौ बजे के बाद मिलने की बात कही। आरोप है कि इस पर डॉ. शहनवाज गाली देने लगे। विरोध पर कहासुनी शुरू हो गई। इसकी जानकारी होने पर 15 से 20 की संख्या में जूनियर डॉक्टर पहुंच गए। ऐश्वर्य को एक कमरे में ले जाकर बुरी तरह पीटा गया। इसकी जानकारी एक सीनियर डॉक्टर को हुई तो उन्होंने पीड़ित को बुलाकर जूनियर डॉक्टर की पहचान कराने की कोशिश की। हालांकि उनके बुलाने के बाद भी कोई जूनियर डॉक्टर नहीं पहुंचा। आरोप है कि बाद में कार्रवाई से बचने के लिए विभाग के सीनियर डॉक्टर ने मेडिकल चौकी पुलिस की मदद से पीड़ित से जबरन समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करवा लिया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन एवं गुलरिहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। बीआरडी के एसआईसी डॉ. कंचन श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जानकारी है। सोमवार को प्रकरण की जांच की जाएगी। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि डॉक्टर और तीमारदारों के बीच आपस में हाथापाई की बात सामने आई थी। इसमें दोनों पक्ष ने पुलिस के सामने समझौता कर लिया था। तीमारदार ने फिर से शिकायत पत्र दिया है। जांच कराई जा रही है।

# ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी सवार दो छात्राओं को रौंदा, दोनों की मौत

देवरिया, संवाददाता। बरियारपुर क्षेत्र के बगहां मठिया के पास सीमेंट ईट लेकर आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी सवार दो छात्राओं को रौंद दिया, जिससे दोनों छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। उधर, घटना के बाद ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली कब्जे में ले लिया है। घटना की खबर सुनते ही दोनों छात्राओं के परिजन भागते–दौड़ते मौके पर फिर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। खुखुंदू थाना क्षेत्र के अहिरौली गांव निवासी शिवांगिनी पांडेय (22) और पिपरा शुक्ल के विशुनपुरा गांव निवासी शिवानी तिवारी (22) दोनों सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्कूटी से संत विनोबा कालेज देवरिया जाने के लिए निकली। शिवांगिनी पांडेय स्कूटी चला रही थी और शिवानी तिवारी पीछे बैठी थी। बताया जा रहा है कि शिवांगिनी पांडेय स्कूटी लेकर अभी बैकुंठपुर–देवरिया मार्ग पर बरियारपुर थाना क्षेत्र के बगहां मठिया के पास ही पहुंची थी कि सामने से तेज रफ्तार से आ रहे सीमेंटेड ईट लिए ट्रैक्टर ट्राली ने स्कूटी को रौंदते हुए आगे बढ़ गया, जिससे उसपर सवार दोनों छात्राओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई। काफी देर तक घटना स्थल अफरातफरी मची रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिवांगिनी पांडेय अंग्रेजी से एमए तो शिवानी तिवारी एलएलबी कर रही थी। घटना की खबर मिलते ही दोनों गांवों शोक की लहर दौड़ गई। उधर, दोनों गांवों से परिवार के लोग मौके पर निकल गए। घटना के बाद दोनों परिवारों में चीख–पुकार मची हुई है। एसओ बरियारपुर डाक्टर महेन्द्र कुमार ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली चालक लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए स्कूटी सवार छात्राओं को रौंद दिया।

# नौ करोड़ से बनेंगे सिंथेटिक ट्रैक व दर्शक दीर्घा

वाराणसी, संवाददाता। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बहु प्रतीक्षित सिंथेटिक ट्रैक और दर्शक दीर्घा का इंतजार खत्म होने वाला है। विश्वविद्यालय प्रशासन इसे 14 अक्तूबर को वित्त समिति और प्रबंध बोर्ड की बैठक में रखेगा। वहां से मंजूरी मिली तो करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित सिंथेटिक ट्रैक और दर्शक दीर्घा का सपना पूरा हो जाएगा। एमएमएमयूटी में वित्त समिति और प्रबंध बोर्ड की बैठक 14 अक्तूबर को होनी है। बैठक के लिए एजेंडा तैयार कर लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि सभी एजेंडे पर मुहर लग जाएगी। विश्वविद्यालय में 512 छात्र क्षमता का एयर कंडीशनर छात्रावास भी शासन के सहयोग से तैयार होना है। करीब 46 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस एसी छात्रावास का डीपीआर बनाया जा रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में कुल 12 छात्रावास हैं। इनमें पुराने होने के कारण 11 छात्रावास जर्जर हो चुके हैं। उनके जीर्णोद्धार का एजेंडा भी वित्त समिति और प्रबंध बोर्ड में रखा जाएगा। शोध और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अच्छे शोध और पेटेंट पर इंसेंटिव का निर्णय लिया है। इसके तहत दो लाख रुपये तक का अवार्ड विद्यार्थियों–शिक्षकों को दिए जाने का प्रस्ताव है। इसे भी एजेंडा में शामिल किया गया है। अगले वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए बजट को भी एजेंडा में शामिल किया गया है। बजट को मंजूरी के बाद उसे शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। वर्तमान सत्र में बजट की समीक्षा की जाएगी। बजट को रिवाइज भी किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में छात्र–शिक्षक अनुपात सही किए जाने के लिए नए पद भी स्वीकृत किए जाने हैं। इसे भी एजेंडा में शामिल किया गया है। इसके तहत कुल 23 असिस्टेंट प्रोफेसर, 5 एसोसिएट और चार प्रोफेसर के नए पद सृजित होंगे। वर्तमान में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 177 है। सोमवार को वित्त समिति और प्रबंध बोर्ड की बैठक है। इसका एजेंडा तैयार कर लिया गया है। इसमें सिंथेटिक ट्रैक और दर्शक दीर्घा की मंजूरी के साथ ही पुराने छात्रावासों के जीर्णोद्धार, 46 करोड़ की लागत से नए एसी छात्रावास के निर्माण, शिक्षकों के नए पद सृजित किए जाने आदि को भी शामिल किया गया है।

# एक माह में दो बड़ी परीक्षाएं आयोग के लिए चुनौती

प्रयागराज, संवाददाता। परीक्षा केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) 27 अक्तूबर को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 को टालने की तैयारी में है। यह परीक्षा अब सात एवं आठ दिसंबर को कराने की तैयारी है, जिस पर इसी हफ्ते कोई निर्णय लिया जा सकता है। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा टलती है तो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सामने एक नई चुनौती होगी। आयोग के कैलेंडर में 22 दिसंबर को समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 प्रस्तावित है, जिसके लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। वहीं, पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। ऐसे में दोनों परीक्षाएं अगर दिसंबर में प्रस्तावित हो जाती हैं तो 14 दिनों के अंतर में आयोग के लिए इन प्रमुख परीक्षाओं का आयोजन बड़ी चुनौती होगा। आयोग ने आरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा योजना में भी बदलाव किया है। ऐसे में यह परीक्षा भी कम से कम दो दिन में पूरी कराई जा सकेगी। इसके अलावा अभ्यर्थी दोनों ही परीक्षाओं की तैयारियां अलग–अलग करते हैं। ज्यादातर अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने पीसीएस के साथ आरओध्एआरओ परीक्षा के लिए भी आवेदन किए हैं। अगर 14 दिनों के अंतर में दोनों परीक्षाएं कराई जाती हैं तो इससे अभ्यर्थियों की परीक्षा संबंधी तैयारियों पर भी असर पड़ेगा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा अगर सात एवं आठ दिसंबर को कराई जाती है तो 22 दिसंबर को प्रस्तावित आरओ/एआरओ परीक्षा टालनी पड़ सकती है।

दो दिन परीक्षा कराने का विरोध

एक तरह आयोग केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित पीसीएस परीक्षा दो दिन कराने की तैयारी है, वहीं अभ्यर्थी लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं और प्रत्येक सही सवाल पर उसके लिए निर्धारित पूरे अंक मिलते हैं। अलग–अलग दिनों में पेपरों में अलग–अलग सवाल भी पूछे जाएंगे और प्रश्नपत्रों के स्तर में भी अंतर होगा। ऐसे में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का एक समान मूल्यांकन कैसे किया जा सकेगा। आखिर ऐसा कौन सा फार्मूला है, जिसके माध्यम से आयोग सभी अभ्यर्थियों का एक समान मूल्यांकन कर सकता है।

# दशहरा देखने गया था युवक, चाकू से गोदकर हत्या- 5 गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। साथियों संग दशहरा का मेला देखने आए किशोर की शनिवार रात पुरानी रंजिश में राजघाट पुल के पास चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। बचाने पहुंचे साथियों को भी आरोपियों ने मारने के लिए दौड़ा दिया। किसी तरह से उन्होंने अपनी जान बचाई। राजघाट पुलिस ने हत्या का केस दर्जकर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। खजनी इलाके के डोमारघाट निवासी महेंद्र निषाद का 15 वर्षीय बेटा अंकुश निषाद शनिवार रात अपने साथी विशाल, नितेश और बिगाडू के साथ मेला देखने राजघाट इलाके में आया था। रात करीब 10 बजे अमरुदमंडी की तरफ जाने वाले रास्ते के पास पांच युवकों ने अंकुश को घेर लिया। पिटाई के बाद चाकू से पेट में तोबड़तोड़ कई वार किए। चीख–पुकार सुनकर विशाल, नितेश और बिगाडू बचाने पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी मारने के लिए दौड़ा लिया। इधर, पुलिस के पहुंचने पर आरोपी फरार हो गए। साथियों की मदद से अचेतावस्था में राजघाट थाना पुलिस अंकुश को जिला अस्पताल ले गई जहां, डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। साथियों ने घटना की जानकारी फोन से अंकुश की मां मैना देवी व सूरत में रहकर पेंट पालिश करने वाले पिता महेंद्र और उनके भाइयों को दी। चाचा अनिल निषाद ने राजघाट थाना पुलिस को तहरीर दी। तीन भाइयों में सबसे छोटा था अंकुश मृतक अंकुश तीन भाइयों में छोटा था।

# किशोरी को कार से अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया

प्रयागराज, संवाददाता। शंकरगढ़ में दुर्गा नवमी की आधी रात 17 वर्षीय किशोरी को घर के बाहर से कार में खींचकर दरिंदगी की गई। परिजनों का आरोप है कि सामूहिक दुष्कर्म के बाद पांच आरोपी उसे बेहोशी की हालत में छोड़कर भाग निकले। पुलिस का कहना है कि किशोरी ने छेड़छाड़ की बात बताई है और संबंधित धारा में केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। किशोरी के पिता काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं जबकि उसकी मां चूड़ी–बिंदी व मेकअप का अन्य सामान बेचती है। 11 अक्तूबर की रात मां मेले में दुकान लगाने चली गई थी। घर में किशोरी व उसकी ममेरी बहन थी। मां ने बताया कि देर रात भतीजी ने फोन कर उसे जल्द घर आने को कहा। वह पहुंची तो बताया कि रात ढाई बजे के करीब पड़ोस में रहने वाला शनि आया और दरवाजा खोलने को कहा। जैसे ही किशोरी ने दरवाजा खोला तो वह उसे अपने साले छोटू व तीन अन्य लोगों की मदद से बलेनो कार में खींच ले गया।

कार के अंदर बेहोश मिली किशोरी

मां का आरोप है कि खोजबीन करने पर बेटी भोर में शनि के घर के बाहर खड़ी कार में बेहोशी की हालत में मिली। सूचना देने पर डायल 112 पुलिस उसे पहले सीएचसी ले गई। वहां बेटी ने बताया कि शनि, छोटू ने अपने तीन अज्ञात साथियों संग मिलकर उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। फिर उसे कार में छोड़कर भाग निकले। जाते वक्त कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मां का आरोप है कि पुलिस ने जबरन छेड़खानी की तहरीर पर उससे दस्तखत करा लिया। उधर पुलिस का कहना है कि किशोरी ने अस्पताल में अपने साथ छेड़छाड़ होने की बात बताई है। संबंधित धारा में केस दर्ज कर मुख्य आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

भाई का नाम लेकर खुलवाया था दरवाजा

परिजनों के मुताबिक, आरोपी ने पीड़िता के भाई का नाम लेकर दरवाजा खोलवाया था। ममेरी बहन ने बताया कि आरोपी शनि घर के बाहर पहुंचकर उसकी बुआ के बेटे का नाम लेकर आवाज लगा रहा था। यह सुनकर जब उसकी फुफेरी बहन दरवाजा खोलकर घर के बाहर निकली तो उसे कार में खींच ले जाया गया। उसकी चीख सुनकर वह भी पीछे गई।

## संक्षिप्त खबरें

### बंद कमरे में दुपट्टे से लटका मिला बालिका का शव

गोरखपुर, संवाददाता। गीडा इलाके के देईपार चौराहा के पास एक मकान में किराए पर कमरा लेकर रहने वाले दंपती की 11 वर्षीय बेटी का शव रविवार को दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकता मिला। दंपती सुबह ही काम पर निकल गए थे। बालिका व उसका तीन वर्षीय भाई कमरे में था। मां सुबह 11 बजे कमरे में पहुंचीं तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, जिले के बालापार के रहने वाले हैदर और उनकी पत्नी रुखसाना 11 वर्षीय बेटी तमन्ना व तीन वर्षीय बेटा तैमूर के साथ 10 वर्षों से देईपार चौराहा के निकट सूरज वर्मा के मकान में किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। पिता गीडा इलाके की एक फैक्टरी में काम करते हैं। मां भी एक फैक्टरी में काम करती हैं। रोज की भांति दोनों सुबह काम पर चले गए। घर में दोनों बच्चे ही थे। सुबह 11 बजे मां कमरे पर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। वह किसी प्रकार दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची तो कमरे के अंदर का नजारा देख सन्न रह गई। बेटी छत के छज्जे से दुपट्टा के सहारे लटकी हुई थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे। सूचना पर पहुंची पिपरौली चौकी पुलिस शव को फंदे से उतारा। तमन्ना पास के परिषदीय विद्यालय में कक्षा पांचवीं की छात्रा थी। बेटी ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया पुलिस इसकी जांच कर रही है। मां का कहना है कि बेटी सुबह मोबाइल की मांग कर रही थी। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुदकुशी की पुष्टि हुई है।

### परिसर में में चार जगहों पर खुलेंगे ओपन जिम

गोरखपुर, संवाददाता। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में चार जगहों पर ओपन जिम खोले जाएंगे। इस पर विश्वविद्यालय कुल 15 लाख रुपये खर्च करेगा। विश्वविद्यालय के स्टेडियम और गर्ल्स हॉस्टल के बीच में 7.73 लाख की लागत से एक–एक ओपन जिम तत्काल खुलेंगे। अन्य दो ओपन जिम कुछ समय बाद खोले जाने की योजना है। एमएमएमयूटी में लंबे समय से ओपन जिम की मांग की जा रही थी। खुले में जिम होने से किसी भी समय छात्र–छात्राएं इसका लाभ उठा सकेंगे। छात्रों के लिए ओपन जिम स्टेडियम में गेट के पास तो छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल के बीच में खुलेगा। दो ओपन जिम तत्काल खोले जाने के लिए एसेसरीज आ गई है। इसके इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया चल रही है। बाद में एक ओपन जिम शिक्षक आवासों की तरफ और एक जिम पब्लिक के लिए खोले जाएंगे। सीएसए के चेयरमैन प्रो. बीके पांडेय ने बताया कि ओपन जिम में पेंडुलम एपारटस, एयर वॉकर, सिटअप बोर्ड, डबल ट्विस्टर, पैर्लल बार्स, लेग प्रेस, हॉर्स राइडर, सोल्जर एक्सरसाइज व्हील, एयर स्ट्राइडर, क्रॉस ट्रेनर आदि उपकरण लगेंगे। चार ओपन जिम खुलने हैं। इनमें दो ओपन जिम की एसेसरीज आ गई हैं। जल्द ही इन्हें शुरू कर दिया जाएगा। इससे छात्र–छात्राओं को एक्सरसाइज में सुविधा होगी।

### किशोरी से दुष्कर्म, फोटो वायरल करने की दी धमकी

गोरखपुर, संवाददाता। क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी के साथ युवक ने दुष्कर्म किया। इसके बाद आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। जानकारी पर किशोरी के पिता की तहरीर पर कैंपियरगंज पुलिस ने आरोपी युवक मनीष कुमार के विरुद्ध केस दर्ज किया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। किशोरी के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपी मनीष कुमार कई महीने से उनकी बेटी को ब्लैकमेल कर रहा है। उसके साथ दुष्कर्म किया और फोटो बना लिया। इसके वह सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। विरोध पर बेटी को धमकी दी कि उसके भाई को जान से मार देगा। घटना की जानकारी होने पर आरोपी के घर उलाहना लेकर जाने पर आरोपी के पिता ने गाली देकर भगा दिया। सीओ गौरव त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। मामले की जांच चल रही है।

### मकान का काम करते समय ऊपरी हिस्से से गिरा राजगीर मिस्त्री

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी जिले के कैंट थाना क्षेत्र के टकटकपुर में एक मकान में काम कर रहे राजगीर मिस्त्री की गिरकर मौत हो गई। रिटायर्ड कर्मचारी अजय श्रीवास्तव के मकान में वह ग्रिल का काम कर रहा था। जहां से वह असंतुलित होकर सीधे गली में सिर की तरफ गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राजगीर मिस्त्री विनय कुमार (35) के साथ ही दो लेबर व मिस्त्री और काम कर रहे थे। विनय के गिरने के बाद वह दौड़ कर नीचे आए, लेकिन सिर के तरफ से गिरने के चलते बुरी तरह जख्मी हो गया था।

### प्रेमी जोड़े की शादी के प्रमाणपत्र पर उठे सवाल

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसएचओ कोतवाली प्रयागराज को शादीशुदा बताकर सुरक्षा मांगने आए याची जोड़े की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कहा है कि पता करें कि याची जोड़े की शादी किसने कराई, विवाह प्रमाणपत्र किस संस्था ने दिया, जिस पुरोहित ने शादी कराई उसकी पूरी जानकारी इकट्ठा करें।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।